

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

श्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 112]

मई बिल्ली, सोमवार, **अप्रैल 9, 1979/वैस्र 19, 1901**

No. 112] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 9, 1979/CHAITRA 19, 1901

इस भाग में भिन्न पूळ संख्या दी जाती हैं जिससे कि वह असग संकासन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंद्रालय

(राजस्य विभाग)

ग्रक्षिस्चन|एं

नई दिल्ली, 9 भन्नैल, 1979

केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक

सा० सा० कि० 234 (का):— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त नियम, 1944 के नियम 8 के उपनिषम (1) द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भगरत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व धौर बीमा विभाग) की घ्रिध्सूचना सं० 237/75- केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त, तारीख 9 विसम्बर, 1975 को घ्रिध्तमान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त सौर नमक घ्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की प्रयम धनुसूची की मद सं० 26 के घन्तांत घाने वाले और वैषुत्त मट्टी की सहायता से निर्निमित इस्पात शिक्तिकां को, उन पर उव्याद-शिक्त उत्पाद-शुक्क से छूट वेती है जिसना एक सौ दपए प्रति मीटरी टन से घ्रिक्त हो :

परन्तु यह तब जब ऐसी इस्पात शिलिकाओं का विनिमणि निम्न-लिखित सामग्रियों में से किसी से किया जाता है, भ्रयात्:—

- (क) पुराना सोहा या इस्पात पिघलन स्केप ।
- (खा) उपर्युक्त (क) में निदिष्ट सामग्री तथा नए स्रप्रयुक्त इस्पात पिघलन स्क्रेप का सम्मिश्रण, जिस पर समृचित उत्पाद-शुक्क पहले ही दे विया गया है।

- (ग) उक्त प्रथम प्रनुक्की की मद सं० 25 के प्रन्तर्गत आने वाले किसी प्रकार के कच्चे लोहे तथा उपर्युक्त (क) या (खा) मीनिदिष्ट सामग्रियों का सम्मिश्रण जिस पर समुचित उत्पाद-गुरुक दे दिया गया है।
- (य) विश्वृत्त भट्टी की सहायता से इस्पात शिलिकाओं के विनिर्माण के वौरान उत्पन्न होने वाले स्कल स्क्रेप और रनर तथा राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निविष्ट सामग्री का सम्मिश्रण।
- (क) लोहे भीर इस्पात के आयातित पिषलन स्केप (लोहे भीर इस्पात के भारी पिषलन स्केप से भिन्न), तथा उपर्युक्त (क), (ख), (ग) या (ध) में निर्विष्ट सामग्रियों का सम्मिश्रण।

[156/79/फा॰ सं॰ 335/ 3/79-टी॰ मार॰ यू॰]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 9th April, 1979 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 234(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 237/75-Central Excises, dated the 9th December, 1975, the Central Government hereby exempts steel

ingots falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central Excises and Sait Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured with the aid of electric finance from so much of the duty of excise leviable thereon as in excess of one hundred rupees per metric tonne:

"Provided that such steel ingots are manufactured from any of the following materials, namely:

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh un-used steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid;
- (c) imported meiting scrap of iron and steel (other than of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above;
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;
- (c) imported melting scrap of irons and steel (other than heavy melting scrap of iron and steel), in combination with the materials referred to at (a), (b), (c) or (d) above.

[156/79 F. No. 335/3/79-TRU]

सा० का० वि० 235 (क).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुरक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त गविसयों का प्रोत करो दूर, नारत परकार के राजस्व ग्रीर बैंकिंग विमाग भी मधिसूचना सं० 148/77-केन्द्रीय उत्पाद-गुरुक, तारीख 18 जून, 1977 में निम्नलिखित श्रीर संगोधन करती है, ग्रयात्:—

उक्त श्रविमूचना में, द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :---

"परन्तु यह ग्रौर कि जहां ऐसी शिलिकाओं का विनिर्माण वैश्वुत्त भट्टी की महायता से निम्निलिखित सामग्रियों में से किसी से किया जाता है, श्रथात्:—

- (क) पुराना लोहा या इस्पात पिचलन स्क्रेप,
- (च) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट सामग्री तथा नए ग्रप्नयुक्त इस्पात पिचलन स्क्रेप का मिम्मश्रण, जिस पर समुचित उत्पाद-शृहक पहले ही वे दिया गया है,
- (ग) उत्तर प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आने वाले किसी प्रकार के कक्ष्मे लोहे तथा उपर्युक्त (क) या (खा) में निर्दिष्ट सामग्रियों का सम्मिश्रण जिल पर समुचित उत्पाद गुरुक दे दिया गया है;
- (घ) वैश्वल भट्टी की सहायता से इस्पात शिलिकाओं के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले स्कूल स्क्रेप और रनर तथा राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण;

वहाँ इस अधिसूचना के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय मुल्क एक सौ रुपए प्रति मीटरी टन होगा।"

> 335/3/79 टी० सार**० यू०** [157/79/फा० सं०]

G.S.R. 235(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 148/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, namely:—

In the said notification, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided further that where such ingots are manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid;
- (c) iron in any crude from falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above;
- (d) skuil scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;

the duty leviable thereon under this notification shall be one hundred rupees per metric tonne.".

[157/79 F. No. 335/3/79-TRU]

सा० का० नि० 236 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त भक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 149/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक, तारीख 18 जून, 1977 में निम्निजित और मंशोधन करती है, प्रयात्:—

उक्त अधिसूचना में द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्निकित परन्तुक रखा जाएगा , अर्थात् :---

"परन्तु यह भौर कि जहा ऐसी मिलिकाओं का जिनियाण वैद्युत्त भट्टी की सहायता से निम्नलिखित सामग्रियों में से किसी से किया जाता है, अर्थात्:—

- (क) पुराना लोहा या इस्पात पिचलन स्क्रेप;
- (ख) उपर्युक्त (क) में निर्विष्ट मामग्री तथा नए ग्रप्रयुक्त इस्पात पिषलन स्क्रेप का सम्मिश्रण, जिम पर ममुचित उत्पाद-शुल्क पहले ही दे दिया गया है:
- (ग) उक्त प्रथम प्रनुसूची की मद मं० 2.5 के घन्तर्गंत ग्राने वाले किसी प्रकार के कच्चे लोहे मथा उपर्युक्त (क) या (ख) में निरिष्ट सामग्रियों का सिम्मश्रण जिस पर समृिषत उत्पाद-शुक्क दे दिया गया है;
- (घ) वैद्युत्त भट्टी की सहायता से इस्पात णिलिकान्नों के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले स्कल स्क्रेप ग्रीर रनर तथा राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निदिष्ट सामग्री के सम्मिथण,

वहाँ इस श्रधिसूत्रना के अश्रीन उस पर उद्ग्रहणीय णुल्क एक मौ रुपए प्रति मीटरी टन होगा।"

[158/79/फा॰ सं॰ 335/3/79-टी॰ घार॰ यू॰]

G.S.R. 236(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government bereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 149/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, namely:—

In the said notification, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided further that where such ingots are manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

(a) old iron or steel melting scrap;

- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh un-used steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above:
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials reterred to at (a), (b) or (c) above;

the duty leviable thereon under this notification shall be one hundred rupees per metric tonne.".

[158/79 F. No. 335/3/79-TRU]

सा० का० ति० 273(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद णुलक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-णुलक धीर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम प्रनुपूची के मद सं० 26नक के प्रन्तर्गन भाने वाले भीर इसमें उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिद्दिन्द लोहे भीर इस्पान उत्पादों को उतने उत्पाद-णुलक से छूट देती है जिनना एक सौ कपए प्रति मीटरी टम से प्रधिक हो।

-	7117

कम सं०	वर्णन
1	2

- मच सं० 26कक की उप-मव (1) के अन्तर्गत आने नाले गंभी प्रकार के अर्थ परिसाधित इंस्पान ।
- 2. मद सं० 26 कंक की उप-सद (1क) के ध्रन्तर्गेत ग्रानेवालें सभी उस्पाव।
- इस्पात को ढाल कर बनाई गई वस्तुएं।

परन्तु इस ब्रिधिसूचना में वी गई छूट सभी लागू होगी जब सारणी में विणत उत्पादों की विनिर्माण वैद्युत्त मट्टी की महायता से निम्मलिक्टित सामग्रियों में से किसी से किया जाता है, श्रर्थात्:—

- (क) पुराना लोहा या इस्पात पिघलन स्क्रेप ;
- (ख) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट सामग्री नथा नए प्रप्रयुक्त इस्पात पिष्रक्षन स्क्रेंप का सिम्मश्रण, जिस पर समुचित उत्पाद-मृहक पहले ही दे दिया गया है;
- (ग) उनन प्रथम प्रनुसुची की मद मं० 25 के अन्तर्गत आर्म वाले किसी प्रकार के कच्चे लोहे तथा उपर्युक्त (क) या (ख) में , निर्विष्ट सामिश्रयों का मिन्मक्षण जिस पर समूजिन उत्पाद स्क दे दिया गया है;
- (घ) वैख्रुस भट्टी की सहायता में इस्पात शिक्षिकाओं के विनिर्माण के वौरान उत्पन्न हीने वाले स्कल सक्रेप और रनर तथा राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निविष्ट सामग्री का सम्मिश्रण :

परन्तु यह श्रीर कि जहाँ उपर्युक्त उत्पाद ऐसे श्रधं परिसाधित इस्पान या इस्पात शिलिका से बनाए जाने हैं; जिस पर समृचित उत्पाद शुरुक संवत्त किया जा चुका है, वहाँ ऐसे उत्पादों को उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण शुरुक से छूट दी जाएगी।

[159/79/फा॰ गं॰ 335/3/79-टी॰ आर॰ य॰]

G.S.R. 237(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the

Central Government hereby exempts iron or steel products falling under Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of one hundred rupees per metric tonne.

THE TABLE

S. No.	Depcription
1	2

- All forms of semi-finished steel falling under sub-item (i) of Item No. 26AA.
- 2. All products falling under sub-item (ia) of Item No. 26AA.
- 3. Steel castings.

Provided that the exemption contained in this notification shall apply when the products mentioned in the Table are manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh un-used teel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been naid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above;
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;

Provided further that where the products aforesaid are made from semi-finished steel or steel ingot on which the appopriate duty of excise has been paid, such products shall be exempt from the whole of the duty leviable thereon.

[159/79 F. No. 335/3/79-TRU]

सार कार निरु 238(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्त नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व और वैकिंग विभाग की अधिसूचना संर 153/77-केन्द्रीय उत्पाद-ण्लंक, तारीख 18 जून, 1977 में निम्नीनियत और संगोधन करनी है, अर्थान् :—

उक्त अधिमूचना में, चनुर्थ परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखिन परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह भी कि मारणी में उल्लिखित ऐसे उत्पादों की दणा में, जो निम्निलिखित सामाययों में से किमी से वैश्वत भट्टी की महायता से जिनिमित किए जाते हैं: अर्थात्:—

- (क) पुराना लोहा या इस्पान पिघलन स्क्रेप ;
- (ख) उपर्युक्त (क) में निर्विष्ट सामग्री तथा नए भग्नपुक्त इस्पात पिघलन स्क्रेप का सम्मिश्रण, जिस पर समृजित उत्पाद-णुल्क पहले ही दे दिया गया है।
- (ग) उक्त प्रथम धनुसूची का मद सं० 25 के धन्तर्गत धाने वाले कियी प्रकार के कच्छे लोहे तथा उपर्युक्त (क) या (ख) में निविष्ट सामग्रियों का सम्मिश्रण जिस पर समृचित उत्पाद- शहक की रकम पहले ही दें दी गई है।

(घ) वैद्युक्त भट्टी की महायता से इस्पात (शिलिकाग्नें) के वितिर्माण के दौरान उत्पन्न होंने वाले स्कल स्केप ग्रीर रनर तथा राइ-जर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण :

सारणां के स्तम्भ (3) में तन्स्थानी प्रविष्टि के सामन विनिदिष्ट णुल्क की राणि दो सौ तीस रूपण प्रांत मंदिरा टन कम कर दी जाएगी।"

[160/79/फा० मं० 335/3/79/टी० प्रार०गु०]

G.S.R. 238(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 153/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, namely:—

In the said notification for the fourth proviso, the following proviso shall be substituted, namely .—

"Provided also that in the case of the products mentioned in the Table manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh un-used steel melting scrap on which the appropriate duty of Excise has been paid;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above:

(d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;

the amount of duty specified against corresponding entry in column (3) of the Table shall be reduced by two hundred and thirty rupees per metric tonne.".

[160/79 F. No. 335/3/79-TRU]

सा० का० ति० 239(क). — केन्द्रीय गरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व वैकिंग विभाग की प्रधिसूचना मं० 152/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क तारीख 18 जून, 1977 निम्नलिखन और मंशोधन करती है, प्रथिम :—

उक्त प्रधिमूचना में, चतुर्थ परन्तुक का लोप किया जाएगा ।

[161/79/फा० मं० 335/3/79-टी आर यू] टी० भार० रम्नागी, भवर मणिव

G.S.R. 239E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No 152/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, namely:—

In the said notification, the fourth proviso shall be omitted.

[161/79 F. No. 335/3/79-TRU]
T. R. RUSTAGI, Under Secy.